HISTORY

B.A- PART II (Hons.)

DR. L.K.V.D College Tajpur.

UNIT-2

(D) II BHAKTI MOVEMENTS.

भक्ति आंदोलन

⇒ भारत में भक्ति आंदोलन के कारण :-

भक्ति आंदोलन मध्यकालीन भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इसके उत्पत्ति के निम्न कारण थे :-

⇒ आश्रय की खोज :

भारत में जब मुस्लिम राज्य की स्थापना हो गई तो हिन्दू

Scanned with CamScanner

Date : _____

जनता ने इस्लामी प्रभुत्व से मुक्त होने के लिए ईश्वर की शरण ली। संतों ने भी हिन्दुओं को भक्ति के माध्यम से ईश्वर प्राप्ति का संदेश दिया।

⇒ मुस्लिम शासकों द्वारा अत्याचार :-
मुस्लिम शासकों ने हिन्दुओं को राजनीतिक एवं धार्मिक सुविधाओं से वंचित कर दिया। हिन्दू अपने ही देश में विदेशी बन गये। क्योंकि जजिया कर देने के बाद भी उन्हें इस्लामी राज्य का नागरिक माना जाता था। इस कर को देने के बाद भी उनके जन-माल की सुरक्षा नहीं थी। उनकी स्त्रियों की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। उनके लिए न्याय के द्वार बन्द थे।

हिन्दू जनता मूर्ति-पूजा के माध्यम से मुक्ति में विश्वास करती थी किन्तु जब मुस्लिम

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

शासकों ने उसके मंदिरों को तोड़ा और मूर्तियों को नष्ट किया इससे उस की धार्मिक उपासना की गहरी चोट पड़ी। मुसलमानों के अत्याचार से हिन्दू जनता परेशान हो गई थी और अपनी रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इसके भक्ति आंदोलन को बल मिला और उत्तरी भारत में सक्रिय हो गया।

⇒ जाति व्यवस्था की जटिलता :-

मुसलमानों ने भारत में आगमन के बाद भारत में जाति व्यवस्था ने जटिलता प्राप्त कर लिया। शूद्र वर्ग के व्यक्ति न तो वेदों का पाठ कर सकते थे और न ही यज्ञ कर सकते थे। इसलिए

Scanned with CamScanner

Date : ________

इस वर्ग के व्यक्तियों ने उच्च वर्ग के खिलाफ गहरा असंतोष व्याप्त था। इसका परिणाम यह हुआ कि सभी जातियों के लोग भक्ति आंदोलन की दौड़ गये।

⇒ इस्लाम के प्रसार के अन्य प्रभाव :-

इस्लाम के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए हिन्दू धर्म में सुधार करना आवश्यक था, ताकि वह फिर से एक जनवादी धर्म बन सके। निम्न जातियों के लोग इस्लाम की तरफ बहुत आकर्षित हो गये थे। इसलिए उनके लिए भी मोक्ष का द्वार खोलना आवश्यकता थी। उस समय की परिस्थिति से निराकार एवं एकेश्वर

Scanned with CamScanner

Date :

इस्लाम का प्रचार किया। तो हिन्दू इस प्रकार हिन्दू धर्म में एक सुधारवादी लहर उठी। जिसने भक्ति आंदोलन का रूप ले लिया।

इस्लाम के प्रचार - प्रसार के बाद हिन्दुओं को अपने धर्म के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न होना महसूस हो गया। अब हिन्दू अब इसके विरोध में भक्ति आंदोलन के प्रति आकर्षित हो गये। अब एकेश्वरवाद की मांग जाहिर होने लगे। इस प्रकार धर्म के प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दिया। इस प्रकार हिन्दू धर्म के प्रचार - प्रसार के लिए एकेश्वरवाद का विस्तार किया। वैष्णव व शैव मत का विस्तार से प्रचार हुआ तथा विष्णु

Scanned with CamScanner

Date : ________

शिव धर्म का प्रचार-प्रसार किया। इस प्रकार भक्ति आंदोलन का विस्तार किया।

⇒ सूफी मत का प्रभाव :-

सूफी संतों ने उदारता, सहिष्णुता तथा प्रेम के साथ एकेश्वरवाद इस्लाम का प्रचार किया तो हिन्दू जनता पर इसका बहुत अधिक प्रभाव पड़ा। अब हिन्दुओं ने अपने धर्म मे व्याप्त आडम्बरों एवं बुराईयों को दूर करने का निश्चय किया। हिन्दू में जाति-पात छुआ-छूत आदि व्याप्त बुराईयों को दूर करने का प्रयास किया। कई सामाजिक आंदोलन इसलिए हिन्दू मे एकता के प्रति

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

जागरूक किया तथा अपने धर्म के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

इस प्रकार तत्कालीन परिस्थितियों के कारण भक्ति आंदोलन का उदय हुआ। इस्लाम के प्रभुत्व एवं एकेश्वरवादी विचार ने भी इस आंदोलन के विकास को महत्वपूर्ण योगदान दिया।

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K. V.D. College
Tajpur
ASS. PROF.
HISTORY

Scanned with CamScanner